प्रति,

श्रीमान् प्राचार्य महोदय/महोदया जी **स्थान–**

_____ **दिनांक–**

_____

विषय – जैन धर्म के 'दशलक्षण (पर्युषण) पर्व' एवं हिन्दू धर्म के 'गणेशोत्सव पर्व' भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी, दिनांक 19 सितम्बर, 2023 से भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी, दिनांक 28 सितम्बर, 2023 के दौरान विद्यालयीन परीक्षायें नहीं रखे जाने के सम्बन्ध में निवेदन।

आदरणीय,

भारत एक धर्म प्रधान राष्ट्र है और अध्यात्म के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही यह विश्व–गुरु रहा है। नैतिक शिक्षा के प्रचार–प्रसार और अभ्यास के क्षेत्र में धर्म ने हमेशा सर्वोच्च योगदान दिया है। अध्यात्म के द्वारा छात्रों में आत्मविश्वास जागता है और वे मानसिक रूप से मजबूत और सहनशील बनते हैं। परन्तु वर्तमान में नई पीढ़ी के छात्र स्कूल की पढ़ाई, होमवर्क और ट्यूशन के बोझ तले इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे धर्म और अध्यात्म के लिए समय नहीं दे पा रहे हैं। इसकी वजह से जहाँ उनका नैतिक पतन हो रहा है, वही उनमें आत्मविश्वास की कमी भी महसूस की जा रही है।

वर्तमान के छात्रों को धार्मिक क्रियायें एवं आध्यात्मिक ज्ञान के अवसर प्रदान करने की अति आवश्यकता है। जैन और हिन्दू शास्त्रों के अनुसार भाद्रपद माह अर्थात् अगस्त/सितम्बर, जिसमें जैनों के 'दशलक्षण (पर्युषण) पर्व' और हिन्दुओं का 'गणेशोत्सव पर्व' भी होता है, इनके लिए सबसे अनुकूल समय माना जाता है। **इस वर्ष ये 'दशलक्षण (पर्युषण) पर्व' एवं 'गणेशोत्सव पर्व' इन पर्वों के बीच नवमी एवं दशमी तिथियाँ इकट्ठी हो जाने से इस वर्ष ये पर्व भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से ही यानी पंचमी से एक दिन पहले से ही प्रारम्भ होकर भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तक दिनांक 19 सितम्बर, 2023 से भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी दिनांक 28 सितम्बर, 2023 तक रहेंगे।**

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जबकि हमारे बच्चे नैतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक मूल्यों से वंचित हैं, ऐसे में उन्हें आवश्यकता है कि वे इन अवसरों का अधिक से अधिक लाभ लें और इन स्थापित मूल्यों को आत्मसात् करें। परन्तु उसी दौरान विद्यालय के द्वारा यदि किसी भी प्रकार की परीक्षायें रखी जाती हैं तो सभी बच्चे इन महत्त्वपूर्ण अवसरों से वंचित रह जायेंगे। अतः समस्त जैन एवं हिन्दू समाज आपसे विनम्र निवेदन करता है कि यदि इन तिथियों अथवा दिनांकों के मध्य किन्हीं भी प्रकार की परीक्षायें रखी गई हों तो उन्हें इन पर्व के दिनों से पहले या फिर उनके पश्चात् में रखी जावें।

इसी के साथ आपसे यह भी निवेदन है कि आगामी वर्षों में भी परीक्षाओं की तिथियाँ भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी/पंचमी से भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तक इन पर्व के दिनों को ध्यान में रखते हुए इनसे पहले या इनके पश्चात्वर्ती दिनों में ही तय/निर्धारित की जायें।

आपके इस सहयोग के लिए सारा जैन एवं हिन्दू समाज भी आपका सदा आभारी रहेगा। धन्यवाद।

भवदीय